शिखर 1

पाठ 9 हाथी और चींटी

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को दोस्ती का महत्त्व बताना तथा हर किसी को बराबर समझने की सीख देना है। कोई भी छोटा या बड़ा नहीं होता। सभी जीव बराबर होते हैं। मिलजुल कर किया गया काम अवश्य सफल होता है।

पाठ का सारांश

जंगल में एक छोटा हाथी जा रहा था। रास्ते में एक चींटी ने हाथी से उसे साथ ले चलने की जिद की। पहले तो हाथी ने उसका मज़ाक उड़ाया परंतु फिर वह उसे अपने साथ ले गया। रास्ते में तूफ़ान आया। चींटी और हाथी पत्थर गिरने से एक गुफा में फँस गए। चींटी किसी तरह गुफा से बाहर निकलकर जंगल में कुछ हाथियों को ले आई। सबने मिलकर गुफा से पत्थर हटाया और छोटे हाथी को बाहर निकाला। छोटे हाथी ने चींटी से माफ़ी माँगी। अब दोनों में दोस्ती हो गई।

अध्यापन संकेत

पाठ का वाचन करने से पूर्व बच्चों को पाठ से जोड़ने के उद्देश्य से छोटी-सी पृष्ठभूमि तैयार करें। उन्हें समझाएँ कि हर जीव बराबर होता है। मुसीबत में एक छोटा जीव भी बड़े जीव के काम आ सकता है। बच्चों से पूछें एवं समझाएँ–

- ❖ क्या उन्होंने कभी हाथी देखा है, यदि 'हाँ' तो उन्हें हाथी कैसा लगता है?
- ❖ क्या उन्होंने कभी हाथी की सवारी की है?
- ❖ हाथी और चींटी की अन्य कहानी बच्चों को बताएँ।
- ❖ पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

छुपम-छुपाई (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।